



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 6 दिसम्बर, 2000/15 अग्रहायण, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

आवकारी एवं कराधान विभाग

अधिमूचना

शिमला-2, 4 दिसम्बर, 2000

संख्या ई० एक्स० एन०-ए० (3)-1/94. —हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के पंगमर्ग में अधिमूचना संख्या ई० एक्स० एन०-ए० (3)-1/94, तारीख 27-9-1996 द्वारा अधिमूचित हिमाचल प्रदेश आवकारी एवं कराधान विभाग में निजी सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित) पद के भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1996 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश आवकारी एवं कराधान विभाग, निजी सहायक, वर्ग-III (अराजपत्रित), भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2000 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध 'अ' का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश आवाकगी एवं भराधान विभाग, निजी गणना, पृष्ठ-111 (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 के उपाबन्ध 'अ' में,—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“रूपये 6400-200-7000-220-8100-275-10300-340-10840”.

(ख) स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“जन-प्रतिजन प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा।”

(ग) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“वरिष्ठ आणुविपिकों में से, जिनका ग्रेड में 6 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा का सम्मिलित करके संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर हिमाचल प्रदेश सरकार के अन्य विभागों में इस पद के समरूप वेतनमान में कार्यरत पदधारियों में से प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा।”

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथावश्यक सेवाकाल के लिए, इस धर्त के अधीन रहते हुए, गणना में ली जाएगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित रीति-प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कादर में उनसे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करने समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रहे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों को, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जावेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिफेंस फोर्स परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नॉन-टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे ऐक्स सर्विसमें (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत बरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में पूर्व एवं पश्चिम नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, विभाजन के जिन गणना में की जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति विचयन के पश्चात सभी पूर्व प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-98 तक की गई स्थायीकरण नियमों तदर्थ सेवा का गणना में लेने के पश्चात की स्थायीकरण सेवा लेने के पश्चात्काल पारस्परिक समीक्षा आदेशविरत रहेगी ।

आदेश द्वारा,

सहायक/

आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this department notification No. EXN-A (3) 1/94, dated 4-9-2000 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-171 002, the 4th September, 2000*

No. EXN-A(3)1/94. In exercise of the powers conferred by proviso to Article 349 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Services Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh Excise & Taxation Department, Personal Assistant (Class-III, Non-Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1996 notified vide Notification No. EXN-A(3)-1/94, dated 27-9-1996, namely: -

1. *Short title and commencement.*—(1) These Rules may be called the Himachal Pradesh Excise and Taxation Department, Personal Assistant, (Class III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2000.

(II) These Rules shall come into force from the date of publication in the *Rajpatra*, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure 'A'.*—(1) In Annexure "A" to the Himachal Pradesh Excise and Taxation Department, Personal Assistant (Class-III, Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1996:—

(a) For the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 6400-200-7000-220-8100-275-10300-340-10640”.

(b) For the existing provisions against Column No. 10, the following shall be substituted, namely:—

“100 % by promotion falling which by deputation transfer.”

(c) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion from amongst the Senior Scale Stenographers with 5 year's regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-98) service,

in the grade failing which by deputation/transfer from amongst the incumbents of this post working in the identical pay scale from other H. P. Government Departments.

- (1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion, subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R&P Rules, provided that :—
- (i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

*Explanation.*—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder

- (2) Similarly, in all cases of confirmation, continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection in accordance with the provisions of the R & P Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-98 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.